जुलाई 2024

प्रिय बहन,

मेरे प्रिय पति और धन्य स्मृति हमारे प्रिय मेट्रोपॉलिटन को प्रभु में सोए हुए अब दो महीने हो गए हैं। ये हैं। ये हमारे परिवार , हमारे बिशपगण और हमारी सम्पूर्ण कलीसिया के लिए अति अनअपेक्षित घटना घटना थी। हमने एक साथ मिलकर उनके प्रस्थान करने का शोक मनाया; उनके अंतिम संस्कार में आंसुओं के साथ शामिल हुए; और उनके जीवन, वर्षों की विश्वासयोग्य सेवा, और उनके द्वारा मसीह को मसीह को प्रगट किया जाना, ज़रूरतमंदों की मदद और कलीसिया की नेतृत्व हेतु उनके द्वारा किए गए गए कार्यों को हमने याद किया।

मुझे यकीन है कि आपने लाइव स्ट्रीमिंग पर उनके अंतिम संस्कार की कुछ सेवाओं में भाग लिया या देखा है। मुझे आश्चर्य हुआ कि कितने लोग - बड़े और छोटे - मेट्रोपॉलिटन को विदाई देने आए। उनके उनके जीवन ने उन सभी के जीवनों को सुसमाचार और मसीह के प्रेम से छू लिया था। मैं कल्पना करती हूं कि आपने उन सेवाओं के दौरान हमारे परिवार को भी बड़े स्क्रीन पर देखा होगा। यह आसान आसान नहीं था, लेकिन परमेश्वर ने हमें ऐसे दुखद समय में सार्वजनिक रूप में सामने आने का अनुग्रह अनुग्रह दिया। आपकी प्रार्थनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद जिससे हमें आगे बढ़ने में मदद मिली। मिली।

चालीस दिनों की शोक-अवधि पूरी होने और हमारे नए मेट्रोपॉलिटन की नियुक्ति तक मैं (हमारी बेटी) बेटी) सारा और उनके परिवार के साथ रही। मेरे पति के गुज़र जाने के बाद, ऐसे कई कार्य हैं जिनकी मुझे देखभाल करना अवश्य है, और मैं अपने परिवार के प्यार और सहायता के लिए आभारी हूँ।

जब से मैं घर आई हूँ, मैं हमारी कलीसियाओं की सभी बहनों के बारे में सोच रही हूँ जो हमसे प्रेम करती हैं और हमारे लिए प्रार्थना करती हैं। मैं कल्पना करती हूँ कि आप यह जानना चाहती होंगी कि मैं कि मैं अपने पति के जाने के बाद ठीक हूँ या नहीं।

प्रिय बहन, मैं आपको यह पत्र लिख रही हूँ कि आपको बताऊँ कि मैं कैसी हूँ और इस कठिन समय में में परमेश्वर ने मुझ पर कितना अनुग्रह किया है। जबकि हम एक ऐसे पतित संसार में रहते हैं, जहाँ हम हम सभी को अपने जीवनकाल में संघर्ष और कोई न कोई हानि का सामना करना पड़ेगा। शायद जो मैं मैं आज आपके लिए लिख रही हूँ, वह एक दिन आपके लिए उपयोगी होगा।

हमारे परिवार के सभी लोग, हमारे पोते-पोतियाँ, मेट्रोपॉलिटन को बहुत याद करते हैं। हम उनकी यात्राओं के आदि थे, लेकिन वे हमेशा घर आते थे। अब जब तक हम स्वर्ग नहीं पहुँच जाते, उन्हें उन्हें देखने हेतु हमें इंतज़ार करना होगा। मेरे लिए, मेट्रोपॉलिटन और मैं लगभग 50 साल (में 12 दिन कम) से विवाहित थे, और मैं चाहती थी कि हम अपने जीवन के आख़िरी पलों को प्रभु की सेवा करते हुए साथ रहकर बिताएंगे । परन्तु सब कुछ अलग हुआ, और इस अचानक हुए हादसे और मृत्यु ने हमें, हमें, यहाँ तक कि, इस पृथ्वी पर एक अंतिम बातचीत या अलविदा करने का मौका भी नहीं दिया।

कई बातें हैं जो मैं समझ नहीं पाती, और मेरे पास ऐसे कई सवाल हैं जिनके जवाब पाने के लिए मुझे अनंतकाल तक इंतज़ार करना होगा। तब तक, मैंने हमारे सर्वश्रेष्ठ परमेश्वर पर भरोसा करने का फैसला फैसला कर लिया है, क्योंकि उसका वचन कहता है कि वह भला है, और वह प्रेम है, और वह कभी कोई ग़लती नहीं करता।

क्या यीशु मेरे आंसुओं, मेरे नुकसान, मेरे शोक और दुःख की परवाह करता है? परमेश्वर का वचन वचन मुझे आश्वासन देता है कि वह करता है, क्योंकि वह इस पृथ्वी पर रहा था, और उन सभी परिस्थितियों का स्वाद वह चख चुका है जिनमें से होकर मैं गुज़र रही हूँ। इसके आलावा, क्रूस पर उसने उसने मेरे सभी दुःख, दर्द और शोक को अपने ऊपर ले लिया। उसे मेरे रोने की, मेरे अकेलेपन और मेरे मेरे भविष्य की चिंता की परवाह है।

मेरा दिल कब इस दुःख को पार करेगा जो मैं अभी महसूस कर रही हूँ? परमेश्वर ने हमें ऐसा बनाया है कि शोक करने का हमें समय चाहिए, जिससे हमारी आत्मा (सभी भावनाओं सहित) सदमे से उबर सके और चंगाई पा सके। अनेक परीक्षाओं का सामना करने वाले दाऊद ने भजन 23:3 में स्वयं स्वयं के अनुभव से गवाही दी कि "वह मेरे जी में जी ले आता है।" इन दिनों मैं प्रार्थना में भजन 23 और और दो अन्य भजनों को प्रतिदिन कई बार दोहराती हूँ, और मैं पूरे दिल से विश्वास करती हूँ कि वह मुझे मुझे और उन सबको जो उस पर विश्वास करते हैं उन्हें पुनर्स्थापित करने के अपने इस वायदे को पूरा पूरा करने में विश्वासयोग्य है।

मैं प्रतिदिन हर समय प्रभु पर विश्वास कर रही हूँ। मेरे लिए अभी यही संभव है, ऐसा न हो कि मैं व्याकुल हो जाऊं। और वह विश्वासयोग्यता के साथ प्रतिदिन मेरे साथ चलता है और मुझे आवश्यक बल

आवश्यक बल देता है। प्रतिदिन की मेरी कार्य सूची पहले से छोटी हो गई है, और कभी-कभी मुझे रुकना पड़ता है या आराम करना या अपने प्यारे पोते-पोतियों के साथ समय बिताना पड़ता है।

मुझे सबसे ज्यादा मदद इससे मिलती है कि मैं परमश्वर के वचन पर विश्वास कर सकती हूँ और उस पर चिपकी रहती हूँ। मुझे मेरे अपने जीवन में चुनौतियों और सेवकाई में संघर्ष के दौरान यह सीखना और अभ्यास करना पड़ा। मेरी प्यारी बहन, मैं आपको सलाह देती हूँ कि आप यह सीखें इससे इससे पहले कि आपके जीवन में कोई बड़ी परीक्षा आए। पवित्रशास्त्र का एक वचन जिस पर मैं विश्वास विश्वास कर रही हूँ, यीशु के वायदे में है: "मैं तुझे कभी न छोड़ूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा।" (इब्रानियों (इब्रानियों 13:5)। यह मेरे भविष्य के विषय में मेरे डर को दूर करता है।

मैं आपको मेरे प्रति परमेश्वर के प्रेम और अनुग्रह के बारे में बताती हूँ। मेरे पति के प्रभु के पास जाने के दिन से लेकर अब तक, मेरे स्वर्गीय पिता ने मेरे हृदय को अपनी असीम शान्ति से भर दिया है है और मुझे उससे घेर लिया है। भले ही मैं आंसू बहाती हूँ, यह शान्ति मुझे रात को अच्छी नींद आने देती है, और मेरे दिल में कोई डर नहीं है। मुझे मेरे लिए परमेश्वर की चिंता और दया के बारे में पता है। है।

मैं परमेश्वर के प्रति धन्यवादी हूँ कि मेरे पति अपनी बुलाहट के प्रति निष्ठावान थे, कि वह खोए हुओं तक पहुँचने के दर्शन को साथ लेकर चलते थे और धरती पर अपने अंतिम पलों तक वे प्रभु की सेवा करते रहे। मैं विश्वास करती हूँ कि अगर हम उन्हें अब देख पाते, तो वे हमें बताते कि जब हमारे उद्धारकर्ता के साथ आमने सामने उनकी भेंट हुई, उनका वर्षों का परिश्रम, असंख्य यात्राएँ, संघर्ष और संघर्ष और परीक्षाएँ सब इसके योग्य थीं।

प्रिय मेट्रोपोलिटन इब्रानियों 12:1 के उन 'गवाहों का ऐसा बड़ा बादल' के बारे में अक्सर बात करते थे जो 'हम को घेरे हुए है'। मैं कल्पना करती हूँ कि वे भी अब उस बादल में शामिल हो गए हैं और वे हमे उत्सुकता से देख रहे है जब हम उनके उदाहरण का अनुसरण कर रहे हैं और उस दर्शन और दिशा को पूरा करते हैं जो उहोने एक कलीसिया के रूप में हमारे लिए छोड़ी थी।

प्रिय बहन, यदि हम अनंतता के लिए जीने का चुनाव करें और उन लोगों तक सुसमाचार पहुँचाने में अपना जीवन लगाएं जिन्होंने इसे पहले नहीं सुना है, तो हम अपने अपने प्रभु यीशु और अपने आत्मिक आत्मिक पिता को सबसे अधिक सम्मान और आनंद देंगे। हम अपने मेट्रोपॉलिटन थियोफिलस और

हमारे सभी बिशपों और अगुओं के लिए प्रार्थना करें कि वे परमेश्वर के ज्ञान और बुद्धि से हमारी कलीसिया का नेतृत्व करें। बहनों के रूप में, उनके लिए और अपनी कलीसिया के लिए हमें एक आशिष और प्रोत्साहन बनने का प्रयत्न करना चाहिए।

हम आशा में जीएं :

मेरी प्रिय बहन, इस पत्र में मैंने अपने पिछले दो महीने की यात्रा आपके साथ साझा की है। पुनरुत्थान पुनरुत्थान का वायदा एक दिन हमारे सभी शोक को आनंद में बदल देगा। हम हमारे मेट्रोपॉलिटन और और उन सभी लोगों के साथ होंगे जो हमसे पहले प्रस्थान कर चुके हैं। इस बार यह हमेशा के लिए और और हमारे उद्धारकर्ता की उपस्थिति में होगा।

कृपया आपको यह ज्ञात हो कि मैं यीशु में आपसे प्रेम करती हूँ और आपके लिए प्रार्थना करती हूँ। हूँ।

मसीह में आपकी बहन,

गिसेला योहान्नान